नवभारत
भोपाल, बुधवार 4 फरवरी, 2026

बमौरी को आदिवासी ग्राम घोषित करने का प्रस्ताव भेजे प्रशासन

राष्ट्रीय आयोग अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य का सुझाव, आदिवासियों के धर्मांतरण पर जताई चिंता

नवभारत न्यूज

गुना 3 फर. का। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने अपने तीन दिवसीय गुना दौरे के दौरान मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक की और पत्रकारों से चर्चा करते हुए जिले के विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिए। अंतर सिंह आर्य ने गुना जिला प्रशासन को निर्देशित किया है कि जिले में लगभग 1 लाख 95 हजार की बड़ी आदिवासी आबादी को देखते हुए बमौरी को आदिवासी ग्राम घोषित करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जाए। उन्होंने प्रशासन को सुझाव दिया कि अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर युवाओं से सीधा संवाद करें और उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें।

पत्रकार वार्ता की शुरुआत में अपनी शालीनता का परिचय देते हुए आर्य ने एक घंटे की देरी के लिए खेद जताते हुए कहा कि मध्य प्रदेश का निवासी होने के नाते मीडिया से उनका आत्मीय रिश्ता है और वे जनजाति वर्ग के संरक्षण व संवर्धन के लिए निरंतर सक्रिय हैं। आर्य ने समाज में बढ़ते धर्मांतरण के मुद्दे पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आदिवासी समाज को तोड़ने के लिए एक बड़ा षड्यंत्र चलाया जा रहा है, जिसमें सभ्यता, संस्कारों और धार्मिक परिदृश्य को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्ववर्ती सरकारों की अनदेखी के कारण आदिवासियों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पाई थीं, लेकिन वर्तमान केंद्र सरकार एकलव्य आश्रम जैसी योजनाओं और सिकल सेल एनीमिया जैसी बीमारियों के उन्मूलन के जरिए समाज की दशा सुधार रही है। गेल और एनएफएल जैसे संस्थानों में कार्यरत जनजाति वर्ग के कर्मचारियों को शासन के नियमों का लाभ दिलाने की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्थानीय प्रशासन के आपसी संवाद की सराहना की।

वन भूमि के रिजेक्ट हो चुके पट्टों पर होगा पुर्नविचार

आर्य की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए आर्य ने स्पष्ट निर्देश दिए कि केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं केवल कागजों तक सीमित न रहकर अंतिम छोर के आदिवासी व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए। अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने वन अधिकार अधिनियम के तहत लंबित और पूर्व में अस्वीकृत किए गए प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए उनका पुनः परीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना का लाभ जिले के हर पात्र जनजातीय किसान को मिलना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, वन संरक्षण के लिए एक बगिया मां के नाम अभियान को जन-आंदोलन बनाने और तेंदूपत्ता जैसी वनोपज को संरक्षित करने पर जोर दिया।

अमरूद की खेती और नवाचारों की सराहना

बैठक में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने जिले में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बमोरी क्षेत्र में अमरूद की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे एक एकड़ में लगभग 8 लाख रुपये तक की आय की संभावनाएं विकसित हुई हैं। आयोग अध्यक्ष ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे राज्य स्तर पर विस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों की सजावट और सीएम हेल्पलाइन के बेहतर प्रबंधन की भी प्रशंसा की।

संवाद से होगा समाधान

आयोग अध्यक्ष ने अधिकारियों को नसीहत देते हुए कहा कि वे केवल कार्यालयों तक सीमित न रहें, बल्कि मैदानी स्तर पर जाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद करें। इससे वास्तविक समस्याओं को समझकर उनका प्रभावी निराकरण किया जा सकेगा। बैठक के प्रारंभ में आयोग के डिप्टी डायरेक्टर आर.के. दुबे ने आयोग की कार्यप्रणाली और संवैधानिक गठन के बारे में जानकारी दी।

कोशिश करेंगे हर जगह लागू हो पेसा एक्ट

पेसा एक्ट के क्रियान्वयन पर चर्चा करते हुए अध्यक्ष ने बताया कि झारखंड और ओडिशा जैसे राज्यों में इसे लागू करवाने के लिए आयोग ने वहां के मुख्यमंत्रियों से चर्चा की है, जबकि मध्य प्रदेश में इसके जमीनी क्रियान्वयन को और अधिक मजबूत करने के लिए राज्यपाल मंगूभाई पटेल से संवाद किया गया है। उन्होंने मीडिया से अपील की कि वे युवा पीढ़ी को सही दिशा दिखाने में सहयोग करें ताकि वे अपने मार्ग से भटकें नहीं। अंत में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी से एक पेड़ मां के नाम लगाने का आव्हान किया और आदिवासी बच्चों के साथ अपने संवाद के अनुभवों को साझा करते हुए जिले की शैक्षणिक स्थिति पर संतोष जताया।

चौधरी मोहल्ला में किराना दुकान में सेंधमारी काजू-बादाम, घी भी ले गए बदमाश

गुना। शहर के रिहायशी इलाके में चोरी की वारदातों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चौधरी मोहल्ला का है, जहाँ आसमानी माता मंदिर के पीछे स्थित मयंक जैन की दुकान को बदमाशों ने निशाना बनाया। मंगलवार तड़के हुई इस वारदात में चोर नकदी सहित हजारों का सामान पार कर ले गए। घटना की पूरी तस्वीर दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटनाक्रम के अनुसार सुबह करीब 4 बजे दो अज्ञात बदमाश दुकान पर पहुंचे। उन्होंने शटर में लगे दो तालों में से एक को तोड़ दिया और दूसरे ताले का कुंदा उखाड़कर भीतर दाखिल हो गए। बदमाशों ने दुकान की दराज में रखे 20 हजार रुपए नगद पर हाथ साफ किया। इसके अलावा वे दुकान से 5 किलो काजू, 5 किलो बादाम और 15 किलो घी का एक पूरा पीपा भी उठा ले गए। दुकानदार के अनुसार, चोरी गए सामान और नकदी की कुल कीमत लगभग 30 हजार रुपए है। क्षेत्रीय निवासियों का कहना है कि इस इलाके में छोटी-मोटी चोरी की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। इधर, पीड़ित दुकानदार ने सीसीटीवी फुटेज के साथ शहर कोतवाली में लिखित आवेदन दिया है। हालांकि, दुकानदार का आरोप है कि दोपहर तक पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की थी। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की शिनाख्त करने की बात कह रही है।

बूढ़े बालाजी क्षेत्र में ट्रांसफार्मर में भड़की भीषण आग, टला हादसा

गुना। शहर के बूढ़े बालाजी क्षेत्र स्थित टेकरी रोड पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब डीपी चौराहे पर रखे एक ट्रांसफार्मर ने अचानक भीषण आग पकड़ ली। आग इतनी विकराल थी कि उसकी लपटें काफी दूर से ही आसमान में दिखाई दे रही थीं। घटना के वक्त क्षेत्र में बारिश हो रही थी, जिससे आसपास करंट फैलने का खतरा बढ़ गया और स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब ट्रांसफार्मर धू-धू कर जल रहा था, उस समय तेज बारिश भी हो रही थी। पानी के कारण सड़क पर करंट फैलने की आशंका बनी हुई थी। गनीमत यह रही कि समय रहते लोग वहां से हट गए और कोई भी इसकी चपेट में नहीं आया, अन्यथा एक बड़ी जनहानि हो सकती थी। इस घटना ने विद्युत विभाग के मेंटेनेंस के दावों की पोल खोल दी है। स्थानीय नागरिकों में विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि मेंटेनेंस के नाम पर घंटों बिजली कटौती की जाती है। इसके बावजूद ट्रांसफार्मरों में आए दिन फॉल्ट और आगजनी की घटनाएं हो रही हैं। बार-बार शिकायत के बाद भी कोई स्थाई समाधान नहीं निकाला जा रहा है। आगजनी की इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र की बिजली सप्लाई ठप हो गई। देर रात तक लोग अंधेरे में रहे और करंट के डर से घरों के बाहर निकलने में कतराते रहे। हालांकि सुबह होते ही बिजली कंपनी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ट्रांसफार्मर बदल दिया गया, जिसके बाद क्षेत्र में बिजली सप्लाई शुरु हो सकी।

5 फरवरी को निवेश एवं निर्यात संवर्धन कार्यशाला

गुना। जिले में औद्योगिक विकास की संभावनाओं को तराशने और स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) द्वारा एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। 5 फरवरी 2026 को बस स्टैंड स्थित प्ले होटल में आयोजित होगा। इस कार्यशाला का मुख्य लक्ष्य गुना जिले में नए निवेश को आकर्षित करना और निर्यात से जुड़ी बारीकियों से स्थानीय उद्यमियों को अवगत कराना है। कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय उत्पादकों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग और वहां तक पहुँच बनाने की रणनीतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

40 साल से काबिज ग्रामीणों को बेदखली का नोटिस, पूरा परिवार परेशान

नवभारत न्यूज

गुना। जिला मुख्यालय पर हुई जनसुनवाई में बजरंगगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम भिलेरा से आए ग्रामीणों ने अपनी व्यथा सुनाई है। ग्रामीणों ने बताया कि वह करीब 40 वर्षों से जिस जमीन पर निवास और खेती कर रहे हैं, उसे अब वन विभाग अपनी बताकर खाली करने का दबाव बना रहा है। कार्रवाई से घबराए एक ग्रामीण ने जिला प्रशासन के सामने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें बेदखल किया गया, तो वह अपने परिवार सहित गांव के तालाब में डूबकर जान दे देगा। ग्रामीण भामा बंजारा और अन्य निवासियों ने बताया कि वे पिछले 4 दशकों से इस जमीन पर काबिज हैं। बताया जा रहा है कि यह जमीन पहले राजस्व विभाग के अधीन थी, जिसे बाद में वन विभाग को हस्तांतरित कर दिया गया। इसी हस्तांतरण के बाद से ही वन विभाग ग्रामीणों को वहां से हटाने का प्रयास कर रहा है। वर्तमान में इस विवादित करीब 40 बीघा जमीन पर हरिजन, आदिवासी, माली, काछी, कुम्हार और बंजारा समाज के लगभग 25 परिवार निवास कर रहे हैं। ग्रामीणों की चिंता का मुख्य वजह यह है कि अधिकांश परिवारों ने जमीन पर खरीफ की फसल बो रखी है। उनके पक्के और कच्चे मकान इसी जमीन पर बने हुए हैं। हाल ही में डिप्टी रेंजर द्वारा दी गई बेदखली की हिदायत के बाद से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। जनसुनवाई में ग्रामीणों ने गुहार लगाई है कि उनकी फसलों को नष्ट होने से बचाया जाए और उन्हें बेघर न किया जाए। मामले की गंभीरता और ग्रामीण की आत्मघाती चेतावनी को देखते हुए कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लिया है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि मौके पर जांच के लिए एक टीम भेजी जाएगी जो राजस्व और वन विभाग के रिकॉर्ड का मिलान कर वस्तुस्थिति स्पष्ट करेगी। फिलहाल वन विभाग की चेतावनी मिलने के बाद ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है और वह कलेक्टर से संरक्षण की उम्मीद लगा रहे हैं।

आधी रात को कड़की बिजली, ओलों के साथ बरसी आफत, बिजली गुल

नवभारत न्यूज

गुना। जिले में मंगलवार रात से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। रात के सन्नाटे को चीरती बादलों की भीषण गर्जना और कड़कड़ाती बिजली के साथ शुरू हुआ बारिश का दौर बुधवार सुबह तक जारी रहा। आधी रात को बिजली की आवाज इतनी तेज थी कि गहरी नींद में सोए लोग घबराकर जाग गए। इस दौरान शहर के कई इलाकों में घंटों तक बिजली गुल रही, जिससे लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हुए।

मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार रात करीब 2:45 बजे ओलावृष्टि के साथ बारिश शुरू हुई। यह सिलसिला बुधवार सुबह भी जारी रहा, जब सुबह 9:30 बजे एक बार फिर घने काले बादलों ने शहर को घेर लिया और लगभग 40 मिनट तक मूसलाधार बारिश हुई। इस झमाझम बारिश से शहर की मुख्य सड़कें और निचली बस्तियां जलमग्न हो गईं।

बारिश के कारण न्यूनतम तापमान गिरकर 14.9 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है, जबकि हवा में नमी का स्तर 93 प्रतिशत तक पहुँचने से कड़ाके की ठंड का अहसास होने लगा है।

किसानों की बढ़ी चिंता

इस बेमौसम बरसात ने खेतों में पकने को तैयार फसलों पर संकट खड़ा कर दिया है। जिले के कई ग्रामीण इलाकों से खबर है कि तेज हवा और बारिश के कारण चने और सरसों की फसलें खेतों में बिछ (आड़ी हो) गई हैं। कृषि जानकारों के अनुसार, यदि बारिश का दौर जारी रहता है या ओलावृष्टि होती है, तो सरसों और चने में अफलन की समस्या पैदा हो सकती है। हालांकि, गेहूं की फसल के लिए इस हल्की नमी को फायदेमंद माना जा रहा है, लेकिन ओलों की आशंका ने किसानों की धड़कनें बढ़ा दी हैं।

पिछले 24 घंटों का आंकड़ा

मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार सुबह 8:30 बजे तक पिछले 24 घंटों में जिले में लगभग 6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। आसमान में अभी भी बादलों का डेरा है, जिससे आगामी कुछ घंटों में और अधिक बारिश की संभावना जताई जा रही है।

भिक्षावृत्ति मुक्त समाज के लिए जागरुकता अभियान

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन में जिलेभर में भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान का द्वितीय चरण संचालित किया जा रहा है। 24 जनवरी से शुरू हुआ यह अभियान 10 फरवरी 2026 तक जारी रहेगा। इसी अभियान के अंतर्गत मंगलवार को जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास विभाग) अब्दुल गफ्फार के मार्गदर्शन में जगनपुर चक आंगनबाड़ी केंद्र पर एक विशेष परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। परामर्श सत्र के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को भिक्षावृत्ति से होने वाले सामाजिक और व्यक्तिगत नुकसानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि समाज को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के लिए ह्यभिक्षा लेना और देनाह्न दोनों को बंद करना होगा, क्योंकि यह न केवल एक सामाजिक बुराई है बल्कि कानूनी अपराध भी है।

कांग्रेस को राम नाम से नफरत : धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार कुंभराज में मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

नवभारत न्यूज

कुंभराज। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण अधिनियम 2025 के तहत कुंभराज में आयोजित मंडल स्तरीय कार्यशाला में भाजपा नेताओं ने कांग्रेस की नीतियों और विरोध प्रदर्शन पर जमकर निशाना साधा। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार ने कहा कि कांग्रेस मनरेगा संशोधन को लेकर समाज में झूठ परोस रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिन नेताओं ने राम मंदिर का विरोध किया, अब वे इस कानून का विरोध सिर्फ इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इसमें ह्यरामह्न का नाम जुड़ा है, जिससे स्पष्ट है कि इन्हें राम नाम से नफरत है। सिकरवार ने विश्वास जताया कि वीबीजी रामजी अधिनियम न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा, बल्कि मजबूत निर्माण कार्यों के साथ भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने में भी मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने इसे एक वैचारिक युद्ध बताते हुए कहा कि अंततः सत्य की ही विजय होगी। चाचौड़ा विधायक प्रियंका मीना ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा योजनाओं का नाम अपने परिवार के नेताओं पर रखा, जबकि भाजपा की हर योजना गरीब कल्याण पर केंद्रित होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की कल्पना अब विकसित गांवों के माध्यम से साकार हो रही है। कार्यक्रम को जिला उपाध्यक्ष जगदीश मीना ने भी संबोधित किया। इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष शारदा साहू, जिला मीडिया प्रभारी अंकुर श्रीवास्तव और मंडल अध्यक्ष रोहित कांसट विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यशाला का सफल संचालन मनीष शिवहरे ने किया और अंत में आभार प्रदर्शन नीरज मालवीय द्वारा किया गया।

पर्दाफाश नाबालिग के अंधेकत्ल का खुलासा

महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लेने पर हाथ बांधकर कुएं में फेंका था

नवभारत न्यूज

गुना। जिला पुलिस ने करीब एक साल पुराने नाबालिग बालक की हत्या के पेचीदा मामले का सफल खुलासा किया है। धरनावदा थाना पुलिस ने अथक प्रयासों और सटीक मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी ने बालक की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी थी क्योंकि उसने आरोपी को एक महिला के साथ संदिग्ध अवस्था में देख लिया था।

बीते साल 14 फरवरी 2025 को धरनावदा थाना क्षेत्र से एक 15 वर्षीय बालक लापता हो गया था। अगले ही दिन 15 फरवरी को बालक का शव गांव के ही एक कुएं में हाथ बंधी हुई संदिग्ध स्थिति में बरामद हुआ। पुलिस ने प्रारंभ में अपहरण का मामला दर्ज किया था, लेकिन पोस्टमार्टम और जांच में हाथ बंधे होने की पुष्टि होने के बाद इसमें हत्या की धारा 103(1) बीएनएस का इजाफा किया गया।

पुलिस की सक्रियता से टूटा आरोपी

पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी द्वारा लंबित गंभीर प्रकरणों की समीक्षा के दौरान इस मामले को प्राथमिकता पर लेते हुए अज्ञात आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए थे। एसडीओपी राघौगढ़ दीपा डोडवे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी प्रभात कटारे और उनकी टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचनाओं पर काम करना शुरू किया। इसी क्रम में पुलिस ने ग्राम खेजरा गुरुजी निवासी गोपाल यादव (55) को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ के बाद आरोपी टूट गया और अपना जुर्म कबूल कर लिया।

राज खुलने के डर से दी खौफनाक सजा

आरोपी गोपाल यादव ने पूछताछ में बताया कि घटना वाले दिन वह एक महिला के साथ संदिग्ध स्थिति में था, जिसे बालक ने देख लिया था। महिला तो मौके से भाग गई, लेकिन गोपाल को डर था कि बालक यह बात पूरे गांव में फैला देगा। इसी बदनामी के डर से उसने कुएं के पाइप में बंधे कपड़े और रस्सी से बालक के हाथ बांध दिए और उसे जिंदा ही कुएं में फेंक दिया, जिससे डूबने से उसकी मौत हो गई।

चेक बाउंस के दो मामलों में लंबे समय से न्यायालयीन कार्यवाही से बचकर फरार वारंटी गिरफ्तार

गुना। जिले में अपराधियों और वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत केंट थाना पुलिस ने बड़ी कार्यवाही की है। पुलिस ने एन.आई. एक्ट (चेक बाउंस) के दो प्रकरणों में लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को घेराबंदी कर दबोच लिया है। जानकारी के अनुसार, छबड़ा कॉलोनी निवासी सुधीश (30), पुत्र दीपक रैकवार के विरुद्ध माननीय न्यायालय गुना में चेक बाउंस से संबंधित दो अलग-अलग प्रकरण (क्रमांक 674/19 एवं 310/22) धारा 138 एन.आई. एक्ट के अंतर्गत विचाराधीन थे। इन मामलों में आरोपी लंबे समय से न्यायालयीन कार्यवाही से बचकर फरार चल रहा था। आरोपी की लगातार अनुपस्थिति को देखते हुए माननीय न्यायालय द्वारा दोनों प्रकरणों में पृथक-पृथक स्थाई वारंट जारी किए गए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर एवं नगर पुलिस अधीक्षक प्रियंका मिश्रा के पर्यवेक्षण में केंट थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव और उनकी टीम आरोपी की लगातार तलाश कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना प्राप्त हुई, जिस पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी सुधीश रैकवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

किसान का दावा : जमीन हड़पने की नीयत से गायब किए गए पैतृक रिकॉर्ड

नवभारत न्यूज

गुना। जिला मुख्यालय के समीपस्थ म्याना वृत्त में सरकारी दस्तावेजों और ऑनलाइन रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बिहारीपुरा मथुरा निवासी पीड़ित किसान मधुकरलाल नागर ने म्याना नायब तहसीलदार पर जमीन के वर्षों पुराने रिकॉर्ड और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से शिकायतों को गायब करने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई में गुहार लगाई है।

म्याना नायब तहसीलदार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

आदेश की अवहेलना पर 15 दिन की जेल

गुना। अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध ह्यजीरो टॉलरेंसह्न की नीति अपनाते हुए राघौगढ़ प्रशासन ने एक ऐतिहासिक दंडात्मक कार्यवाही की है। राजस्व कानूनों की निरंतर अवहेलना करने और निजी भूमि पर अवैध कब्जा न छोड़ने के कारण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राघौगढ़, अमित सोनी ने अतिक्रमणकारी को 15 दिवस के लिए सिविल जेल भेजने का आदेश पारित किया है।

कार्यालय नगर निगम, भोपाल, जोन क्रमांक 19

निविदा आमंत्रण घोषणा पत्र

क्र. 130/यां.वि./2026 — भोपाल, दिनांक 30/1/2026

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु परसेन्टेज रेट मोहरबंद निविदाएं निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं.

क्र.	ऑनलाइन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	ठेकेदार श्रेणी	निविदा क्रय करने का अंतिम दिनांक	निविदा क्रय करने का अंतिम समय
1.	2026_UAD_479237_1	Provinding and Laying of Paver Block at Katara Krishnapuram Barrai BDA Colony Near Temple at Deepdi Village and others Places Ward 85, Zone 19	1108638/-	as per Centralized Registration	28-2-2026	6.00 PM
2.	2026_UAD_478914_1	Const. of Shed and P/L Paver Block at Signature Residency Colony Ward 85, Zone 19	708060/-	as per Centralized Registration	14-2-2026	6.00 PM

नियम व शर्तें :- 1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है.

सहायक यंत्री (सिविल)
नगर निगम, भोपाल

नि.क्र. 3085/025/026